भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 2376**
उत्तर देने की तारीख 04.08.2025

**एनएमएम के अंतर्गत पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण**

**2376. श्री वी.के. श्रीकंदन :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने संशोधित राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) शुरू किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यह भी सच है कि इस मिशन के अंतर्गत एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को शामिल किए जाने की अपेक्षा है और यह शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहकर्ताओं के पास विद्यमान भारत की पांडुलिपि विरासत के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए उत्तरदायी होगा;
(ग) क्या यह भी सच है कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की सहायता से पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जाएगा; और
(घ) यदि हाँ, तो उक्त मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

**उत्तर**

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी, हाँ। सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख पहल के रूप में ज्ञान भारतम मिशन का आरंभ किया है। इसका उद्देश्य भारत भर के शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी हुई एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, प्रलेखन, संरक्षण, डिजिटलीकरण करके उन्हें सुलभ बनाना है।
(ख): जी, हाँ। सरकार का उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को शामिल करना है और शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी गई भारत की पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, प्रलेखन और संरक्षण करना है।

(ग): जी, हाँ। डिजिटलीकरण ज्ञान भारतम मिशन का एक मुख्य उद्देश्य है। इस मिशन में स्पष्ट रूप से "डिजिटलीकरण: व्यापक पहुँच के लिए राष्ट्रीय डिजिटल भंडार बनाने हेतु पांडुलिपियों का बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण" को अपने प्रमुख लक्ष्यों में से एक के रूप में शामिल किया गया है। मिशन ने अगले पाँच वर्षों में एक करोड़ पांडुलिपियों को डिजिटल बनाने का लक्ष्य रखा है।

*****